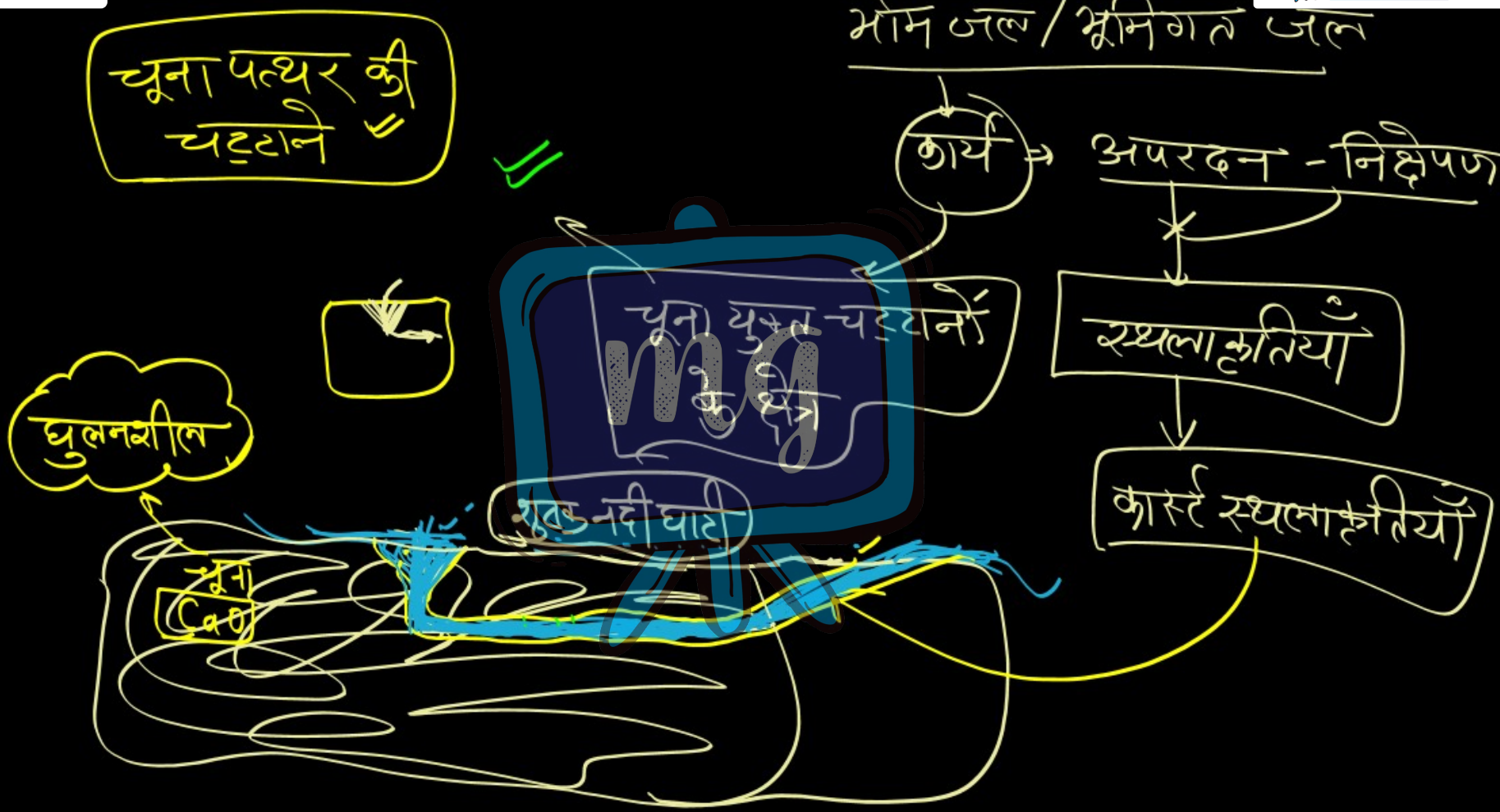

Under CSR Support by
ipca | Foundation
RIICO
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
11th GEOGRAPHY
भौतिक भूगोल के
मूल सिद्धांत
भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास
अध्याय-6 • भाग-04
03 OCT 2026 || 04:00 PM

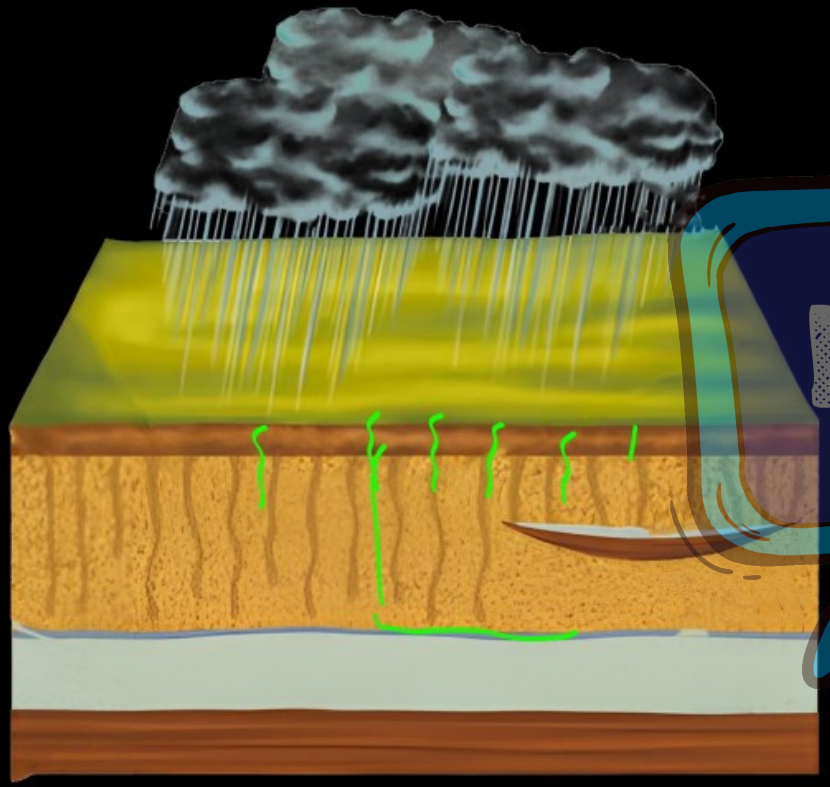
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भौम जल

पारगम्य, कम सघन, जोडों व दरारों वाली चट्टाने

धरातलीय जल का अन्तः स्त्रवण

लम्बवत् प्रवाह

क्षैतिज प्रवाह

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

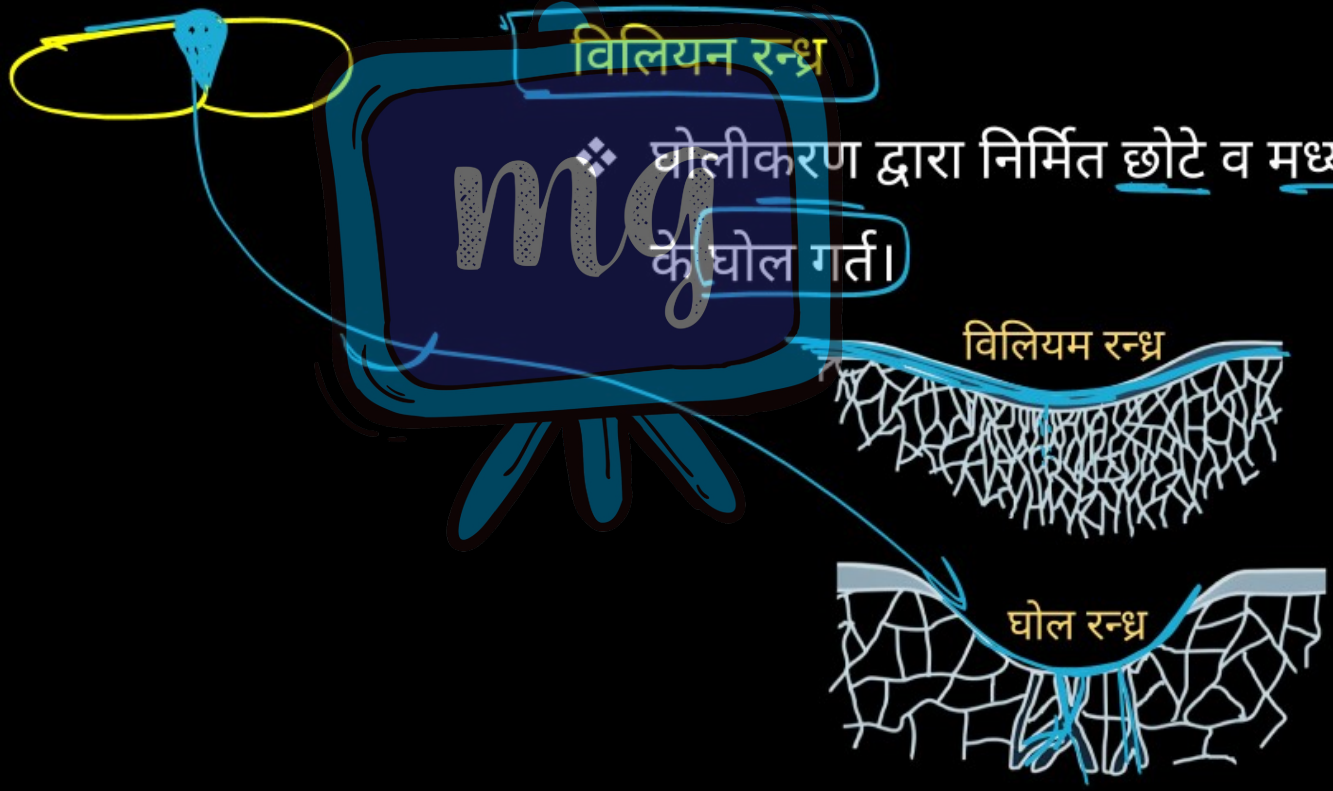
भौम जल का कार्य

- भौम जल का कार्य केवल चूना पत्थर पर
- कार्य / प्रक्रियाएँ
  - घोलीकरण
  - अवक्षेपण
- निर्मित स्थलरूप - कार्स्ट स्थलाकृति
- एड्रियाटिक सागर के साथ बालकन कार्स्ट क्षेत्र

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपरदित स्थलरूप



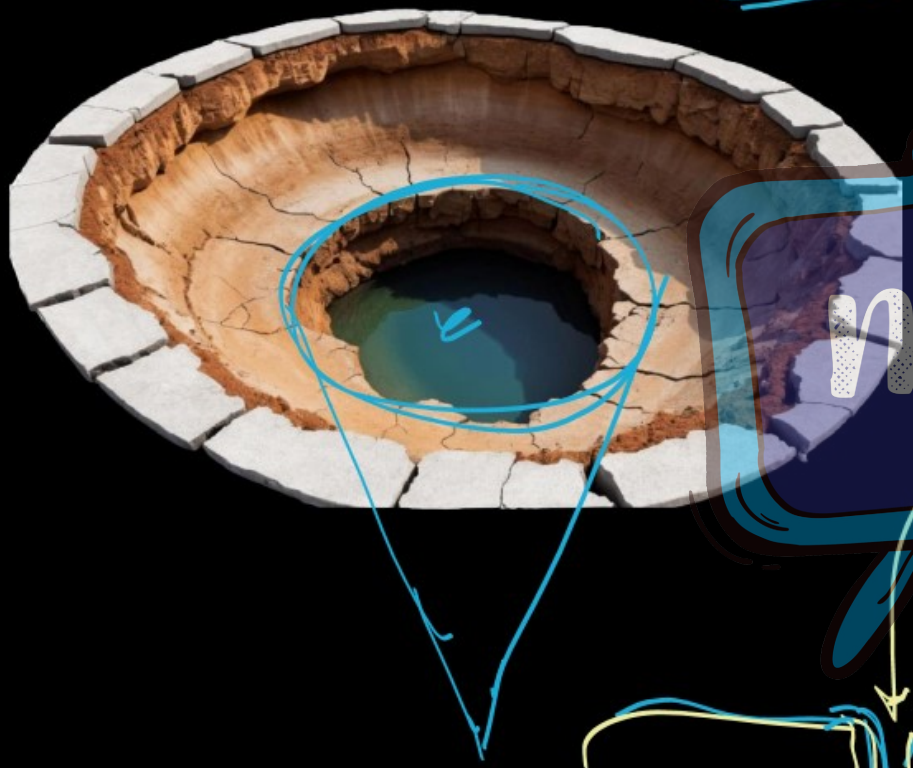
विलियन रन्ध्र

- घोलीकरण द्वारा निर्मित छोटे व मध्यम आकार के घोल गर्त।

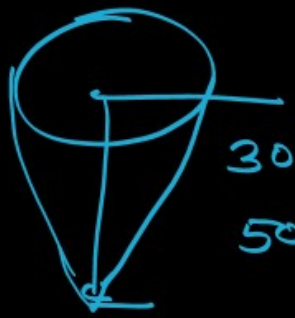
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निपात / ढहजाना / गिरजाना



घोल रन्ध्र



30 मीटर → Max.
50 सेमी → Min

- छिद्र
- ऊपर से वृत्ताकार व नीचे से कीप आकृति।
- गहराई - आधा मीटर से 30 मीटर

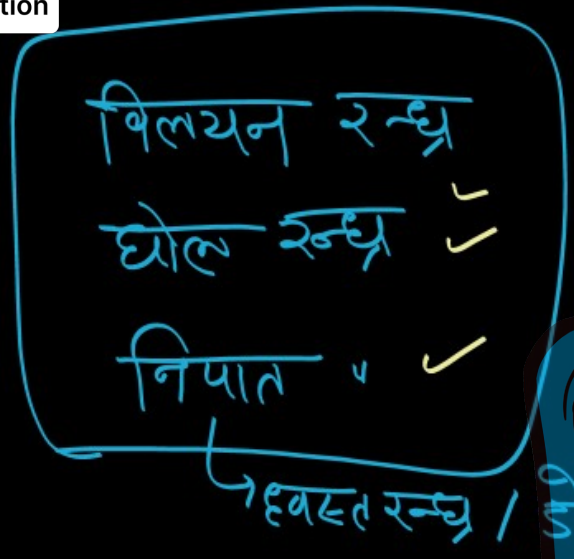
निपात रन्ध्र

- घोल रन्ध्रों के नीचे बनी कन्दराओं की छत ध्वस्त होने से निर्मित।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



नोट

- ध्वस्त घोल रन्ध्रों को डोलाइन भी कहते हैं।
- घोल रन्ध्रों व विलयन रन्ध्रों से गुजरता हुआ जल अन्तभौमि नदी के रूप में विलीन, फिर किसी कन्दरा से भूमिगत नदी के रूप में निकलता हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

घाटी रन्ध्र (युवाला)

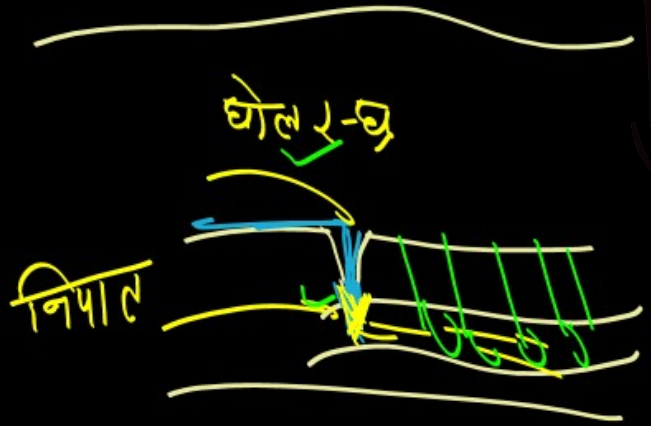


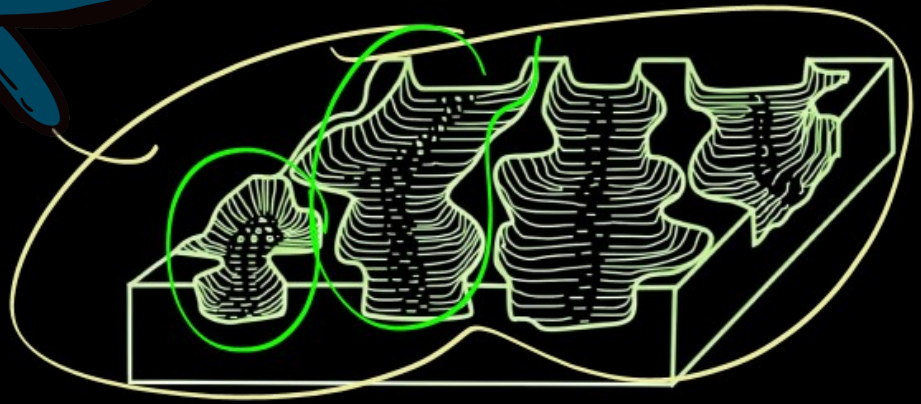
निपात रन्ध्र

कन्दराओं की छत गिरती

घोल रन्ध्र व डोलाइन मिल जाते

लम्बी, तंग व विस्तृत खाइयाँ निर्मित





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लैपीज



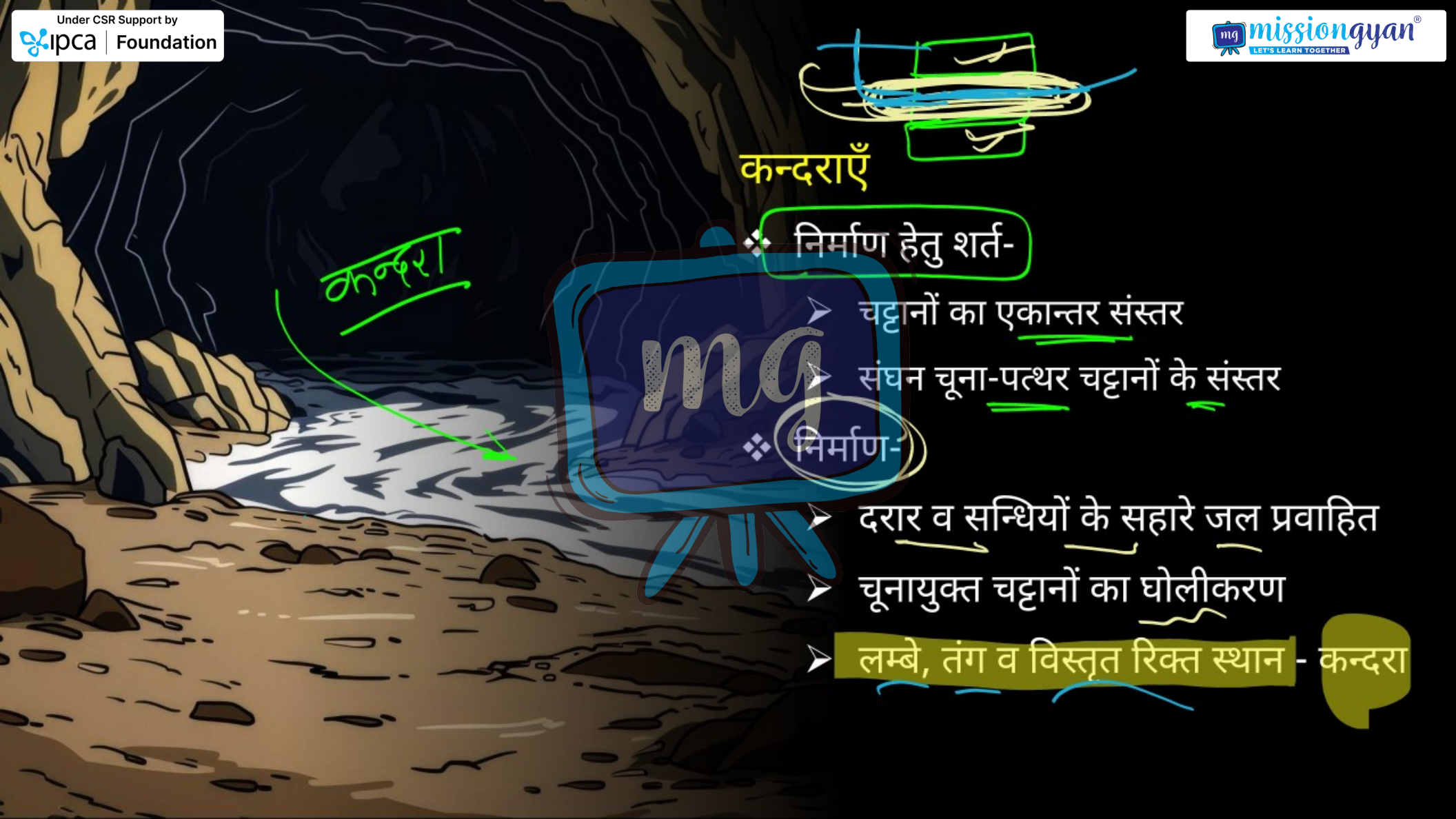
- धीरे-धीरे चूनायुक्त चट्टानों के अधिकार भाग गर्तों व खाइयों के हवाले हो जाते है और पूरे क्षेत्र में अत्यधिक अनियमित, पतले व नुकीले कटक रह जाते हैं जिन्हे लैपीज कहते है।

चूना पत्थर चबूतरा

- लैपीज चूनायुकत चबूतरें में परिवर्तित

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कन्दराएँ

- निर्माण हेतु शर्त-
  - चट्टानों का एकान्तर संस्तर
  - संघन चूना-पत्थर चट्टानों के संस्तर
- निर्माण-
  - दरार व सन्धियों के सहारे जल प्रवाहित
  - चूनायुक्त चट्टानों का घोलीकरण
  - लम्बे, तंग व विस्तृत रिक्त स्थान - कन्दरा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

- कन्दरा का एक मुख खुला रहता है जिससे सरिताएँ बाहर निकलती है।
- सुरंग - दो खुले मुख वाली कन्दरा



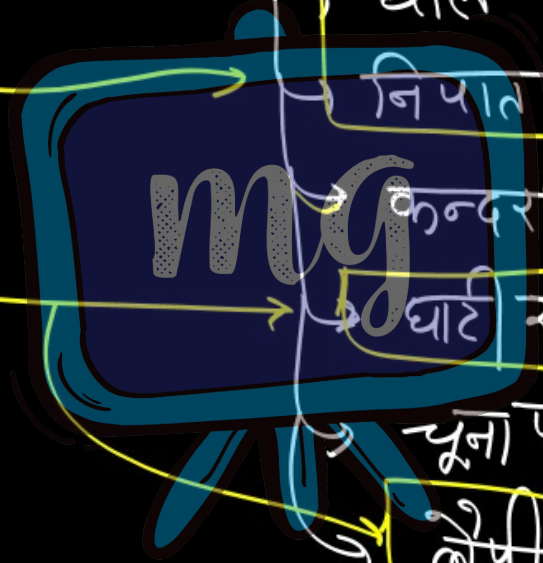
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

* भौम जल के अपरदन से निर्मित स्थलरूप

Q. परिभाषाएँ

- विलियन रन्ध्र
- घोल "
- निपात "
- कन्दरा –
- घाटी रन्ध्र (युवाला)
- चूना पत्थर चबूतरा
- ब्रेसीज



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.1. कन्दरा और सुरंग में मुख्य अन्तर क्या है?

Q.2. डोलाइन का निर्माण कैसे होता है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निक्षेपित स्थलरूप

विलयन (जल + चूना)
↳ गढ़

- कन्दराओं के भीतर निर्मित
- कैल्शियम कार्बोनेट का निक्षेपण

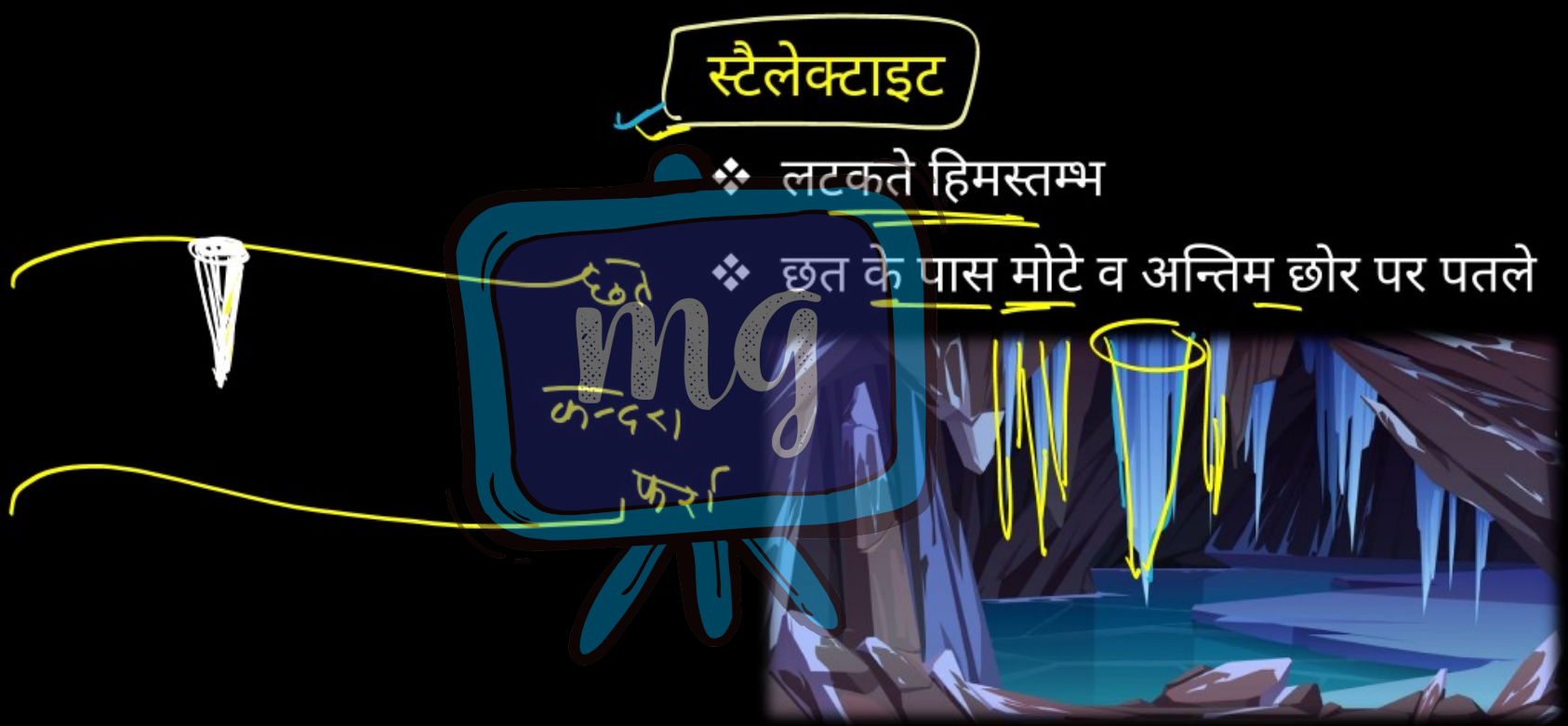


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्टैलेक्टाइट

- लटकते हिमस्तम्भ
- छत के पास मोटे व अन्तिम छोर पर पतले



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्टैलेग्माइट

- फर्श से ऊपर की ओर वृद्धि।
- छत से टपकने गले चूना मिश्रित जल से निर्मित



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

स्तम्भ व कन्दरा स्तम्भ

- स्टैलेक्टाइट व स्टैलग्माइट के मिलन से।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 कार्स्ट स्थलाकृतियों में विशेषता/विशेषताएँ है/हैं-

अ अपरदनात्मक रूथल रूप

ब निक्षेपणात्मक स्थलरूप

स (अ) व (ब) दोनों

द न तो (अ), न ही (ब)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2 भौम जल द्वारा निर्मित अपरदनात्मक स्थलरूप है/हैं-



अ घोल रन्ध्र

ब लैपीज

स कन्दरा

द उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3 भौम जल द्वारा निर्मित निक्षेपणात्मक स्थलरूप है/हैं-



अ स्टैलेक्टाइट

ब स्टैलेग्माइट

स स्तंभ

द उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

